बजट सत्र 2012 के समापन अवसर पर

माननीय विधान सभा अध्यक्ष का उद्‌बोधन

4 अप्रैल, 2012

1. माननीय सदस्यगण, छत्तीसगढ़ की तृतीय विधानसभा के नवम सत्र का आज अंतिम दिवस है। यह बजट सत्र दिनांक 12 मार्च 2012 से 13 अप्रेल 2012 तक आहूत था। परंतु सदन की सर्वानुमति और सहमति से यह सत्र आज दिनांक 04 अप्रेल 2012 को समाप्त हो रहा है। मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि इस बजट सत्र का समापन अत्यन्त सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है। यद्यपि इस बजट सत्र के शुरूआती दिवसों में प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों एवं सरकार के मध्य विचारों की भिन्नता के फलस्वरूप सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई किन्तु मुझे इस बात का संतोष भी है कि पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सदस्यों ने परस्पर समन्वय एवं समादर की भावना से सदन के गतिरोध को समाप्त कर कार्यवाही के संचालन में मुझे अपना अधिकतम सहयोग दिया।

2. इस सत्र में छत्तीसगढ़ से राज्य सभा के लिए रिक्त हुए एक स्थान के लिए निर्विरोध निर्वाचित माननीय डॉ. भूषण लाल जांगड़े को मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं।

3. वर्तमान समय में देश का संसदीय परिदृश्य चुनौतियों भरा प्रतीत हो रहा है। संसदीय सदन की सर्वोच्चता पर सवाल किए जा रहे हैं। ऐसे समय में जनप्रतिनिधि संस्थाओं की सर्वोच्चता को स्थापित और सृदृढ़ करना एक चुनौती है। जनमानस में संसदीय सदन के प्रति आस्था एवं विश्वास को स्थापित एवं संवर्धित करना आज हम सबका प्रमुख दायित्व है।

4. मेरा यह भी मानना है कि सभा के अंदर संसदीय परंपराओं एवं प्रक्रियाओं के पालन एवं सभा के बाहर अपने आचरण एवं कार्य व्यवहार से ही लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास दृढ़ता से स्थापित हो सकता है और यही संसदीय शासन प्रणाली की सफलता का प्रमुख कारक है।

5. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में विधानमंडल, प्रदेश की समस्याओं पर चर्चा के माध्यम से समाधान निकालने का एक मात्र स्थान होता है, आपके कार्य एवं व्यवहार पर ही प्रजातंत्र की इस सर्वोच्च संस्था की प्रतिष्ठा एवं गरिमा जनमानस में स्थापित होना निर्भर है। इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि आप अपने दायित्वों की पूर्ति हेतु और अधिक सजग रहने का प्रयास करें।

6. लोकतंत्र में संसदीय शासन प्रणाली का उद्‌देश्य जनता के लिए सुशासन है। लोककल्याण एवं लोकमहत्व के समस्त विषयों पर यह सदन संवेदनशील ही नहीं अपितु अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु सक्रिय भी है। मुझे इस बात की भी हार्दिक प्रसन्नता है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने न सिर्फ लोकतांत्रिक मूल्यों पर आस्था ही प्रकट नहीं की वरन् आदर्श संसदीय व्यवस्था के स्वरूप को अपने कार्यकरण से स्थापित भी किया है।

7. पक्ष–प्रतिपक्ष में वैचारिक वैभिन्यता के बावजूद लोक हित और लोक कल्याण हेतु इस सदन की सजगता अतुल्यनीय है। आप माननीय सदस्यों के मध्य जो सहृदयता और सद्‌भाव है वह संसदीय आदर्श का बेहतर उदाहरण है।

8. मैं सदन को स्मरण दिलाना चाहूंगा कि शुक्रवार दिनांक 23 मार्च 2012 को बजट पर चर्चा के दौरान माननीय कृषि मंत्री श्री चन्द्रशेखर साहू एवं माननीय धर्मजीत सिंह जी के मध्य उत्तर–प्रतिउत्तर में जो स्थितियां निर्मित हुई तथा पश्चात् दोनों ही सदस्यों ने अपने द्वारा प्रयुक्त शब्दावली के संदर्भ में उसी समय खेद व्यक्त किया, पक्ष एवं प्रतिपक्ष के मध्य ऐसी परस्पर सहृदयता, सद्भाव, संसदीय शासन प्रणाली को सुदृढ़ बनाती है। इस संदर्भ में मैने उक्त दिवस व्यवस्था देते हुए यह उल्लेख किया था कि **''इस सदन की उत्कृष्ट परंपराएं रही हैं और पक्ष–प्रतिपक्ष के सदस्यों में मतवैभिन्यता होते हुए भी सौहार्द्रता एवं शालीनता को मैं इस सदन की धरोहर मानता हूं जिसे संरक्षित रखे जाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। मैं सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि तनाव अथवा मतवैभिन्यता के समय भी इस सदन की गरिमा को बनाए रखकर स्वयं अपनी गरिमा में वृद्धि करें। क्योंकि इस पवित्र सदन की गरिमा में ही समस्त सदस्यों की गरिमा सन्निहित है।**''

9. मुझे इस बात का आत्मिक संतोष है कि आप माननीय सदस्यों ने मेरे आग्रह को स्वीकार कर व्यवहारिक रूप में इस सदन में प्रस्तुत किया। मैं समस्त सदस्यों को छत्तीसगढ़ के इस विधायी सदन में स्वस्थ संसदीय वातावरण निर्मित करने के लिये हृदय से धन्यवाद देता हूं।

10. सदन में सहृदयता और सद्भाव का जो भाव आपने प्रदर्शित किया है उसकी मैं सराहना करते हुए सभा के मान–सम्मान में अभिवृद्धि एवं संसदीय परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रियाओं के अंतर्गत विभिन्न माध्यमों से लोक कल्याण के मामलों को सभा में उठाने के लिये माननीय सदस्यों को उनकी संसदीय दक्षता के लिये हृदय से बधाई देता हूं।

11. वार्षिक आय–व्ययक के अनुमान पर इस सभा द्वारा स्वीकृति बजट सत्र का सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है। इस वर्ष आय–व्ययक के साथ माननीय मुख्यमंत्री जी जिनके पास वित्त विभाग का भी प्रभार है, ने एक नई पहल करते हुए कृषि पर होने वाले कुल व्यय को सम्मिलित कर पृथक से कृषि बजट प्रस्तुत किया और इस प्रकार शासन ने यह प्रतिपादित करने का प्रयास किया कि कृषि जिसके ऊपर इस प्रदेश की अधिकांश आबादी निर्भर है, सबसे महत्वपूर्ण विषय है। इस पहल के लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं।

12. इस वर्ष उत्कृष्टता अलंकरण समारोह दिनांक 02 अप्रेल 2012 को आयोजित हुआ। इस गरिमामय अलंकरण समारोह में महामहिम राज्यपाल जी ने वर्ष 2011–2012 के उत्कृष्ट विधायक के रूप में चयनित माननीय सदस्य श्री **परेश बागबाहरा** एवं माननीय सदस्य श्री **विरेन्द्र कुमार साहू** प्रिंट मीडिया से चयनित दैनिक देशबन्धु के संवाददाता श्री **ओ. पी. मिश्रा** एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया जी–24 घंटे, छत्तीसगढ़ के संवाददाता श्री **धनवेन्द्र जायसवाल** एवं कैमरामेन श्री वीरेन्द्र नागर को पुरस्कृत किया मैं सदन की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं।

13. विकास के लिए ऊर्जा एक महत्वपूर्ण कारक है। ऊर्जा का उत्पादन एवं उसकी खपत राज्य के विकास का पैमाना होता है इसके महत्व को रेखांकित करने एवं सभा के सदस्यों को प्रदेश में इसकी स्थिति से भिज्ञ कराने के उद्देश्य एवं ऊर्जा के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों से माननीय सदस्यों को अवगत कराने के लिए माननीय मुख्यमंत्री ने मंगलवार 03 अप्रैल 2012 को छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत ऊर्जा पर केन्द्रित **पावर पाइंट प्रेजेंटेशन** प्रस्तुत किया। माननीय सदस्यों की इस अवसर पर उपस्थिति लोकहित के विषय पर जिज्ञासा एवं जागरूकता को इंगित करती है। मुझे विश्वास है अब इस विषय पर आप सभा में होने वाली चर्चा में और अधिक योगदान दे सकेंगे।

14. इस सत्र के दौरान दिनांक 02 अप्रैल 2012 को शिक्षा के अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आप माननीय सदस्यों के लिए मायाराम सुरजन फाउण्डेशन के सहयोग से एक संगोष्ठी भी आयोजित हुई। इस संगोष्ठी में देश के प्रख्यात शिक्षाविद् सहित विषय विशेषज्ञों ने विषय पर अपने विचार रखे। इस संगोष्ठी से माननीय सदस्यों को विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई जिनका उपयोग वे लोक कल्याण के लिए कर सकेंगे।

15. सत्र में माननीय सदस्यों के लिये विधानसभा भवन स्थित एलोपैथिक चिकित्सालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन 20 मार्च से 22 मार्च 2012 तक किया गया जिसका माननीय सदस्यों ने लाभ लिया मैं इस हेतु स्वास्थ्य मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

16. बजट सत्र के दौरान सांस्कृतिक आयोजन की परंपरा रही है, इसी तारतम्य में दिनांक 02 अप्रेल 2012 को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में संस्कृति विभाग के सौजन्य से लॉफ्टर शो का आयोजन किया गया। इस हेतु संस्कृति मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

17. मुझे यह उल्लेख करते हुए हर्ष हो रहा है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा देश की ऐसी प्रथम विधानसभा है जहां माननीय सदस्य एवं संबद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए इनडोर गेम्स हेतु एक सर्वसुविधा युक्त खेल प्रशाल का निर्माण किया गया है जिसका उद्घाटन महामहिम राज्यपाल के कर कमलों से मंगलवार, 02 अप्रेल 2012 को संपन्न हुआ। इस खेल प्रशाल में अत्याधुनिक जिम, बेडमिंटन, टेबिल टेनिस जैसे खेलों की सुविधा भी खेल विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई है। इस हेतु मैं माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीया खेल मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

18. इस सत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को मैं रेखांकित करना आवश्यक समझता हूं कि यूं तो सत्रकाल में सदन की कार्यवाही को आमजन द्वारा प्रत्यक्ष देखने की परंपरा पूर्व से चली आ रही है। परन्तु इस सत्र में अब तक के सर्वाधिक दर्शकों ने विधानसभा की कार्यवाही को देखा। इस संदर्भ में मै यह बताना चाहूंगा कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं के प्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थाओं से विद्यार्थियों तथा विभिन्न संगठनों के लगभग कुल 16300 दर्शकों ने विधान सभा का भ्रमण किया/कार्यवाही देखी। इसे प्रजातांत्रिक व्यवस्था में प्रदेश की जनता की रूचि में अभिवृद्धि का शुभ संकेत मानता हूं और मेरा यह मत है कि इससे इस व्यवस्था के प्रति आमजनों में विश्वास सुदृढ़ होता है।

माननीय सदस्यों से मेरा आग्रह है कि अपने विधानसभा क्षेत्र की शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों को विधानसभा परिभ्रमण में सहयोग करें जिससे कि प्रदेश के अधिकतम छात्र–छात्राएं राज्य की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली और महत्व को सहजता से समझ सकें।

19. इस बजट सत्र में तृतीय अनुपूरक अनुमान के साथ वित्तीय वर्ष 2012–13 वार्षिक आय व्ययक में 48 विभागों की 72 मांगों पर माननीय सदस्यों ने चर्चा की और चर्चा उपरांत मांगों को पारित किया किंतु वित्तीय कार्य के साथ–साथ वर्तमान सत्र में चर्चा के विभिन्न माध्यमों से लोक महत्व के विषयों पर व्यापक और विस्तार से चर्चा होना इस सदन की उपलब्धि है।

अब मैं इस बजट सत्र में सदन के संपन्न कार्यों की संक्षिप्त जानकारी से आपको अवगत कराना चाहूंगा। इस सत्र के कुल 20 कार्य दिवसों में कुल 105 घंटे 29 मिनट चर्चा हुई। इस सत्र में 2412 प्रश्नों की सूचनायें प्राप्त हुई जिसमें ग्राह्य तारांकित प्रश्न 892 रहे इनमें से 187 प्रश्नों पर चर्चा हुई। इस सत्र में मौखिक प्रश्नों का औसत 11 प्रश्न प्रति दिन का रहा।

20. इस सत्र में 19 अशासकीय संकल्प प्राप्त हुए जिनमें से 3 अशासकीय संकल्प चर्चा के लिये सदन में लिये गये उनमें से 3 संकल्प स्वीकृत हुए ।

21. सभा में माननीय सदस्यों ने प्रत्येक विषय पर चर्चा को निष्कर्ष तक पहुंचाया आपके इस कार्य से निश्चित ही प्रदेश के जनता के मध्य यह संदेश जाएगा कि उनके द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इस प्रदेश की सर्वोच्च पंचायत में जन–भावना, जन–कल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु कृत संकल्पित है। इस सत्र में शून्यकाल की 136 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें से 58 सूचनाएं ग्राह्य व 78 सूचनाएं अग्राह्य रही।

22. तृतीय विधानसभा के इस नवम् सत्र में कुल 488 ध्यानाकर्षण की सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें 81 सूचनाएं ग्राह्य व 373 सूचनाएं अग्राह्य रही तथा 34 नियम 267–क में परिवर्तित की गई। इस सत्र में कुल 9 विधेयक लाए गए और 6 विधेयक पारित हुए। इस सत्र में कुल 21 प्रतिवेदन पटल पर रखे गये।

माननीय सदस्यों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को याचिकाओं के माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट करने में सत्र दर सत्र अधिक प्रयोग करना भी याचिकाओं के महत्व को प्रतिपादित करता है। इस सत्र में 118 याचिकाएं भी सदन पटल पर रखी गई।

23. इस सत्र समापन के अवसर पर सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय उपाध्यक्ष जी, सभापति तालिका के सम्माननीय सदस्य सहित आप सभी सदस्यों को आपके सहयोग के लिये धन्यवाद देता हूं।

24. इस सत्र समापन के अवसर पर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता के विषय में विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि आपने अपनी कलम के माध्यम से आपने अपनी सार्थकता को सिद्ध किया है। पत्रकार साथियों को संसदीय सदन की मर्यादा और परम्पराओं को अक्षुण्ण रखना एक गुरूत्तर दायित्व भी है । मैं पत्रकार दीर्घा के सभी पत्रकार बंधुओं को अपनी ओर से धन्यवाद देता हूं कि आपने सत्रकाल में सदन से संबंधित समाचारों को अपेक्षित स्वरूप में आम जनता के मध्य रखा।

25. इस अवसर पर राज्य शासन के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्विघ्न सत्र संपन्न कराने में सहयोग एवं दायित्वों का गंभीरता से परिपालन करने हेतु बधाई देता हूं।

सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई देता हूं कि आपने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था को पूरे सत्रकाल में कायम रखा। इस सत्र के समापन अवसर पर मैं अपने विधानसभा सचिवालय के सचिव एवं समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं, कि उनके समन्वित/समर्पित सहयोग से इस सत्र का सुचारू संचालन संभव हो सका।

परंपरा रही है कि सत्र समाप्ति के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि सदन को सूचित की जाती है तद्नुसार आगामी मानसून सत्र जुलाई माह के प्रथम द्वितीय सप्ताह में आहूत होने की संभावना है।

26. इस अवसर पर मैं आवाह्न करना चाहता हूं कि आइए ! छत्तीसगढ़ राज्य के विकास और समृद्धि के संकल्प के अनुष्ठान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर इस पावन मंदिर की प्रतिष्ठा अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लें।

धन्यवाद !

जय – हिन्द ! जय – भारत ! जय – छत्तीसगढ़ !